

नमूना प्रश्न पत्र

कक्षा 12

विषय – हिंदी (ऐच्छिक)

अधिकतम अंक: 80

अधिकतम समय: 3 घंटे

1. इस प्रश्न पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं।
2. प्रश्न पत्र को तीन खंडों में बाँट गये हैं – खंड – क, ख, और ग में है।
3. खंड – क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होगा।
4. खंड – ख में अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
5. खंड – ग में अंतरा एवं अंतराल भाग – 2 पाठ्य पुस्तकों के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

क्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खंड क (अपठित बोध)	20

- | | | |
|---|--|----|
| 1 | निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। | 10 |
|---|--|----|

पिछले कुछ दशकों में पर्यावरण की समस्या अत्यंत गंभीर रूप ले चुकी है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण, शहरी विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। वायु, जल, मिट्टी तथा ध्वनि चारों प्रकार के प्रदूषण लगातार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह परिवर्तन केवल मौसम तक सीमित नहीं है; इसका प्रभाव मानव स्वास्थ्य, कृषि, वन्य-जीव और जल-स्रोतों पर भी दिखाई दे रहा है।

वनों की कटाई ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। पेड़ों की कमी से वर्षा का चक्र प्रभावित होता है और मिट्टी कटाव बढ़ता है। नदियों में औद्योगिक कचरे के कारण जलपीयता कम हो रही है, जिससे मानव ही नहीं, जलीय जीव भी संकट में हैं। बड़ी कंपनियाँ और कारखाने अक्सर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी करते हैं, जिसका खामियाजा समस्त समाज को उठाना पड़ता है।

पर्यावरण-सुरक्षा केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि लोग अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव कर लें तो बड़ी राहत मिल सकती है। जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल अपव्यय रोकना, पेड़ लगाना, ऊर्जा-बचत करना और कचरे को अलग-अलग निपटाना। विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा से बच्चों में जागरूकता बढ़ रही है, परन्तु वास्तविक समाधान तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक सदस्य प्रकृति को “संपत्ति” नहीं, बल्कि “विरासत” समझकर उसकी रक्षा करे।

पर्यावरण संरक्षण न केवल वर्तमान मानव समाज की आवश्यकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का अधिकार भी है। यदि समय रहते यह प्रयास नहीं किए गए तो पृथ्वी का भविष्य संकट में पड़ सकता है और प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो सकते हैं। इसलिए पर्यावरण को बचाना ही मानव सभ्यता को सुरक्षित रखना है।

- (i) गद्यांश के अनुसार प्रदूषण बढ़ने का मुख्य कारण है। 1
- A. तकनीकी विकास
- B. प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन
- C. कम जनसंख्या
- D. ऊर्जा-बचत
- (ii) वनों की कटाई से सबसे पहले कौन-सा प्रभाव पड़ता है? 1
- A. वर्षा चक्र प्रभावित होना
- B. जनसंख्या बढ़ना
- C. ऊर्जा की कमी
- D. अधिक फसल
- (iii) लेखक के अनुसार पर्यावरण-सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? 1
- A. केवल सरकार की
- B. केवल किसानों की
- C. केवल उद्योगों की
- D. प्रत्येक नागरिक की

- (iv) पर्यावरण सुरक्षा के लिए लेखक ने कौन-सा सरल उपाय बताया है? 1
- A. केवल सरकारी नियमों पर निर्भर रहना
- B. बड़े उद्योगों को बंद कर देना
- C. दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करना
- D. प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग करना
- (v) वायु, जल, मिट्टी और ध्वनि प्रदूषण बढ़ने से क्या-क्या समस्याएँ उत्पन्न होती हैं? 2
- (vi) नागरिक अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण हेतु किन छोटे-छोटे बदलावों को अपना सकते हैं? 2
- (vii) पर्यावरण संकट को दूर करने में शिक्षा की क्या भूमिका है? हम पर्यावरण की रक्षा कैसे कर सकते हैं? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

शहर की भीड़ में अक्सर, मन अकेला रह ही जाता,
चारों ओर प्रकाश बहुत, पर भीतर तम छा जाता।
वृक्ष कटे तो छाँव न रही, न शीतलता का स्पर्श मिला,
माटी की वह सोंधी खुशबू भी, अब तो जैसे दूर चली गई।

नदियाँ सूखी, पथ रुक गए, प्यास बढ़ी धरती की भी,
आकाश में धुआँ घिर आया, साँसों को भी भय होने लगा।
मानव अपनी चाहत में, प्रकृति से नाता भूल गया,
भागदौड़ की राहों में उसने, अपने ही आँगन खो दिए।

पर फिर भी एक आशा-किरण आती है नभ से चुपके-चुपके,
जब कोई बालक नन्हे हाथों से, एक पौधा रोपित करता है।
तभी समझ में आती है, जीवन की वह सरल-सी रीति
धरती को देने में ही उसका, वापस पाना संभव होता है।

- (i) कविता के अनुसार शहर में मन अकेला क्यों हो जाता है? 1
- A. लोग कम होते हैं
- B. भीड़ में मन की उपेक्षा रहती है
- C. घर छोटे होते हैं
- D. समय अधिक होता है
- (ii) कविता में “आशा-किरण” किस परिस्थिति में दिखाई देती है? 1
- A. जब वर्षा होती है
- B. जब कोई बालक पौधा लगाता है
- C. जब हवा चलती है
- D. जब रात आती है
- (iii) “धरती को देने में ही उसका वापस पाना” इसका अर्थ है? 1
- A. प्रकृति से दूर रहने में लाभ है
- B. प्रकृति को नुकसान पहुँचाने से लाभ मिलता है
- C. प्रकृति की रक्षा करने से ही प्रतिफल मिलता है
- D. पौधे लगाने से नुकसान होता है
- (iv) मानव प्रकृति से नाता क्यों भूल गया? 1
- (v) कविता में “भीतर तम छा जाता” से कवि का क्या अभिप्राय है? 2
- (vi) कविता में पर्यावरण संकट के कौन-कौन से रूप प्रस्तुत किए गए हैं? 2
- (vii) बालक द्वारा पौधा लगाने को कवि ने आशा का प्रतीक क्यों माना है? 2

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

(क) विशेष लेखन के विभिन्न प्रकारों में विश्लेषणात्मक लेखन का क्या महत्त्व है? (शब्द सीमा 1
लगभग 20 शब्द)

(ख) जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की विशेषताओं तथा सीमाओं का विवेचन कीजिए। (शब्द 1×2=2
सीमा लगभग 40-50 शब्द)

अथवा

पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं? पत्रकारिता में पत्रकार के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए।
(शब्द सीमा लगभग 40-50 शब्द)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। 2×3=6

(क) रेडियो और टेलीविजन समाचार में जानकारी पहुँचाने की भाषा और शैली में तुलना कीजिए।

(ख) फ्रीचर क्या है? फ्रीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

अथवा

विशेष लेखन की विशेषज्ञता हासिल करने के लिए किन अभ्यासों और तकनीकों का पालन करना चाहिए?

5. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक 1×5=5
लेख लिखिए।

(क) पशु-पक्षियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी

अथवा

पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका

अथवा

समुद्र तट पर छुट्टियाँ

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

2×3=6

- (क) नाटक में स्वीकार और अस्वीकार की अवधारणा क्या है? यह पात्रों और घटनाओं पर कैसे प्रभाव डालती है?

अथवा

पात्रों के संवाद कहानी की वास्तविकता और रोचकता को कैसे बढ़ाते हैं? समझाइए।

- (ख) कविता की संरचना किन तत्वों पर आधारित होती है?

खंड – ग

40

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए। 5×1=5

जो है वह सुगबुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब सी नमी है
और एक अजीब सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन
तुमने कभी देखा है
खाली कटोरों में वसंत का उतरना!
यह शहर इसी तरह खुलता है
इसी तरह भरता
और खाली होता है यह शहर
इसी तरह रोज-रोज एक अनंत शव
ले जाते हैं कंधे
अँधेरी गली से
चमकती हुई गंगा की तरफ़

- (i) सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में कवि किस भाव का संकेत देता है? 1
- A. क्रोध
B. नमी
C. भय
D. उपेक्षा
- (ii) “खाली कटोरों में वसंत उतरना” किसका प्रतीक है? 1
- A. समृद्धि का विस्तार
B. खालीपन में सौंदर्य की अनुभूति
C. दान में वृद्धि
D. त्योहारों का आगमन
- (iii) कविता में शहर के बारे में कौन-सा विचार व्यक्त होता है? 1
- A. शहर केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित है
B. शहर में केवल उत्सव और आस्था का माहौल रहता है
C. शहर प्रतिदिन भरता और खाली होता है
D. शहर का जीवन एकरस और नीरस है
- (iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए – 1
- कथन** – कविता में शहर को “भरता और खाली होता” बताया गया है।
कारण – कवि जीवन की निरंतरता और परिवर्तनशीलता को शहर के माध्यम से व्यक्त करता है।
- A. कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
B. कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
C. कथन सही है, कारण गलत है।
D. कथन गलत है, कारण सही है।

- (v) दोनों स्तंभों का सही मिलान करते हुए नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए। 1

स्तंभ अ	स्तंभ ब
क. शहर का खुलना	1. चमक से भर उठना
ख. भिखारियों के कटोरे	2. रोज-रोज का चक्र
ग. सीढ़ियों पर बैठे बंदर	3. विस्तार पाना

- A. क-2, ख-1, ग-3
B. क-3, ख-1, ग-2
C. क-1, ख-3, ग-2
D. क-1, ख-2, ग-3

8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए। 2×2=4

(क) देवसेना अपनी आशा को “बावली” क्यों कहती है? उसकी आशाओं के टूटने के पीछे कौन-से कारण हैं?

(ख) निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए

मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल।

गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल।।

अथवा

राम के प्रति अपने श्रद्धाभाव को भरत किस प्रकार प्रकट करते हैं, स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

6×1=6

- (क) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कडुवे तम में
यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त-नेत्र,
उल्लंघन-बाहु, यह चिर-अखंड अपनापा।
जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो –
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, “वह शकुंतला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला।”
कुछ दिन रह गृह तू फिर समोद,
बैठी नानी की स्नेह-गोद।
मामा-मामी का रहा प्यार,
भर जलद धरा को ज्यों अपार;
वे ही सुख-दुख में रहे न्यस्त,
तेरे हित सदा समस्त, व्यस्त;
वह लता वहीं की, जहाँ कली
तू खिली, स्नेह से हिली, पली,
अंत भी उसी गोद में शरण
ली, मूँदे दृग वर महामरण!

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए।

5×1=5

शिवालिक की सूखी नीरस पहाड़ियों पर मुसकुराते हुए ये वृक्ष द्वंद्वतीत हैं, अलमस्त हैं। मैं किसी का नाम नहीं जानता, कुल नहीं जानता शील नहीं जानता पर लगता है, ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं। इन्हीं में एक छोटा-सा, बहुत ही ठिगना पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि कुछ पूछिए नहीं। अजीब सी अदा है, मुसकुराता जान पड़ता है। लगता है, पूछ रहा है कि क्या तुम मुझे भी नहीं पहचानते? पहचानता तो हूँ, अवश्य पहचानता हूँ। लगता है, बहुत बार देख चुका हूँ। पहचानता हूँ उजाड़ के साथी, तुम्हें अच्छी तरह पहचानता हूँ। नाम भूल रहा हूँ। प्रायः भूल जाता हूँ। रूप देखकर प्रायः पहचान जाता हूँ, नाम नहीं याद आता। पर नाम ऐसा है कि जब तक रूप के पहले ही हाज़िर न हो जाए तब तक रूप की पहचान अधूरी रह जाती है। भारतीय पंडितों का सैकड़ों बार का कचारा-निचोड़ा प्रश्न सामने आ गया-रूप मुख्य है या नाम? नाम बड़ा है या रूप? पद पहले

है या पदार्थ ? पदार्थ सामने है, पद नहीं सूझ रहा है। मन व्याकुल हो गया। स्मृतियों के पंख फैलाकर सुदूर अतीत के कोनों में झाँकता रहा। सोचता हूँ इसमें व्याकुल होने की क्या बात है? नाम में क्या रखा है-ह्वाट्स देअर इन ए नेम! नाम की जरूरत ही हो तो सौ दिए जा सकते हैं। सुस्मिता, गिरिकांता, वनप्रभा, शुभ्रकिरीटिनी, मदोद्धता, विजितातपा, अलकावतंसा, बहुत से नाम हैं! या फिर पौरुष-व्यंजक नाम भी दिए जा सकते हैं-अकुतोभय, गिरिगौरव, कूटोल्लास, अपराजित, धरतीधकेल, पहाड़फोड़, पातालभेद ! पर मन नहीं मानता। नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्या। नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है। आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सेक्शन' कहा करते हैं। मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि-मानव की चित्त-गंगा में स्नात।

(i) लेखक के अनुसार “रूप” क्या है?

1

- A. समाज-सत्य
- B. व्यक्ति-सत्य
- C. कल्पना
- D. परंपरा

(ii) गद्यांश के अनुसार “रूप की पहचान अधूरी” कब रह जाती है?

1

- A. जब पेड़ सूख जाए
- B. जब नाम पहले याद न आए
- C. जब लेखक जल्दी में हो
- D. जब पत्ते छोटे हों

(iii) लेखक द्वारा दिए गए नाम “अकुतोभय, गिरिगौरव, कूटोल्लास, पातालभेद” किस प्रकार के नाम हैं?

1

- A. प्रकृति सूचक
- B. धार्मिक
- C. पौरुष-व्यंजक
- D. वैज्ञानिक

- (iv) दोनों स्तंभों का सही मिलान करते हुए नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए। 1

स्तंभ अ	स्तंभ ब
क. अकुतोभय, गिरिगौरव, पातालभेद	1. रूप के बिना अधूरी
ख. रूप की पहचान	2. पौरुष-व्यंजक नाम
ग. स्मृतियों के पंख	3. अतीत को खोजने का प्रयास

- A. क-2, ख-3, ग-1
B. क-3, ख-1, ग-2
C. क-1, ख-3, ग-2
D. क-2, ख-1, ग-3

- (v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए। 1

कथन – लेखक रूप को व्यक्ति-सत्य मानता है।

कारण – क्योंकि रूप सीधे व्यक्ति के अनुभव से संबंधित होता है, न कि समाज की स्वीकृति से।

- A. कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
B. कथन सही, कारण गलत।
C. कथन गलत, कारण सही।
D. दोनों गलत।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए। $2 \times 2 = 4$

- (क) पिता द्वारा सुनी गई कविताओं ने लेखक के साहित्य-बोध को किस प्रकार दिशा दी?

अथवा

संवदिया कहानी में माँ के चरित्र के माध्यम से कौन-सी सामाजिक समस्या उभरती है?

- (ख) कहानी के प्रमुख घटनाक्रमों का सहारा लेते हुए सिद्ध कीजिए कि शीर्षक 'दूसरा देवदास' केवल प्रेम-कथा नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक यात्रा भी है।

12. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1×6=6

- (क) उन दिनों मैं अफ्रो-एशियाई लेखक संघ में कार्यकारी महामंत्री के पद पर सक्रिय था। ट्यूनीसिया की राजधानी ट्यूनिस में अफ्रो-एशियाई लेखक संघ का सम्मेलन होने जा रहा था। भारत से जानेवाले प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री कमलेश्वर, जोगिंदरपाल, बालू राव, अब्दुल बिस्मिल्लाह आदि थे। कार्यकारी महामंत्री के नाते मैं अपनी पत्नी के साथ कुछ दिन पहले पहुँच गया था। ट्यूनिस में ही उन दिनों लेखक संघ की पत्रिका 'लोटस' का संपादकीय कार्यालय हुआ करता था। एकाध वर्ष पहले ही पत्रिका के प्रधान संपादक फैज अहमद फैज चल बसे थे।

ट्यूनिस में ही उन दिनों फ़िलिस्तीनी अस्थायी सरकार का सदरमुकाम हुआ करता था। उस समय तक फ़िलिस्तीन का मसला हल नहीं हुआ था और ट्यूनिस में ही, यास्सेर अराफ़ात के नेतृत्व में यह अस्थायी सरकार काम कर रही थी। लेखक संघ की गतिविधि में भी फ़िलिस्तीनी लेखकों, बुद्धिजीवियों तथा अस्थायी सरकार का बड़ा योगदान था।

अथवा

एक भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण है। अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभनहीं होता; किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण-पोषण करते आए हैं। 1926 से पूर्व यहाँ खैरवार जाति के आदिवासी राजा शासन किया करते थे, किंतु बाद में सिंगरौली का आधा हिस्सा, जिसमें उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के खंड शामिल थे, रीवाँ राज्य के भीतर शामिल कर लिया गया। बीस वर्ष पहले तक समूचा क्षेत्र विंध्याचल और कैमूर के पहाड़ों और जंगलों से घिरा हुआ था, जहाँ अधिकांशतः कत्था, महुआ, बाँस और शीशम के पेड़ उगते थे। एक पुरानी दंतकथा के अनुसार सिंगरौली का नाम ही 'सूंगावली' पर्वतमाला से निकला है, जो पूर्व-पश्चिम में फैली है। चारों ओर फैले घने जंगलों के कारण यातायात के साधन इतने सीमित थे कि एक जमाने में सिंगरौली अपने अतुल प्राकृतिक सौंदर्य के बावजूद 'काला पानी' माना जाता था, जहाँ न लोग भीतर आते थे, न बाहर जाने का जोखिम उठाते थे।

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-150 शब्दों में लिखिए।

2×5=10

- (क) बिसनाथ के बचपन में प्रकृति किस प्रकार उनके भावनात्मक विकास का हिस्सा बनी?

अथवा

प्रेमचंद ने इस कहानी में समाज की कौन-सी कमजोरी दिखाई है? वर्णन कीजिए।

- (ख) लेखक को मालवा में लौटकर कौन-कौन से पुराने दृश्य फिर से याद आते हैं?